21

दृष्टि The Vision

26 AUG 2019

drishti

ESSAY

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time allowed: Three Hours

DTVF/19(JS)–ESY-E4

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: सुनीता मीना **Mobile Number:** _____

Medium (English/Hindi): हिन्दी **Reg. Number:** AWAKE-19 /H007

Center & Date: दिल्ली, 25.08.2019 **UPSC Roll No.** *(If allotted)*: 1101339

प्रश्नपत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू. सी. ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णत: काट दीजिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

	निबंध विषय संख्या (Essay Topic No.)	अंक (Marks)
खंड-A Section-A		
खंड-B Section-B		
सकल योग (Grand Total)		

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

खंड A और B में प्रत्येक से एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिये, जो प्रत्येक लगभग 1000–1200 शब्दों का हो: **125 × 2 = 250**

Write TWO Essays, choosing ONE from each of the Section A and B, in about 1000–1200 words each: **125 × 2 = 250**

खंड–A / SECTION –A

1. सोशल मीडिया : सामाजिक कम व्यक्तिगत ज़्यादा।
   Social media : More personal than social.
2. भारत में सामाजिक सशक्तीकरण की प्रक्रिया में आरक्षण का योगदान तथा इसके विरोधाभास।
   The role of reservation in social empowerment in India: Contribution and Contradiction.
3. भूमंडलीकरण के दौर में संरक्षणवादी नीतियाँ अल्पकालिक हितों की पूर्ति से ज़्यादा कुछ नहीं है।
   Protectionist measures in the era of globalization are nothing more than the fulfilment of short-term interests.
4. जलवायु परिवर्तन : करे कोई भरे कोई।
   Climate Change : Done by someone and paid by someone else.

खंड–B / SECTION –B

1. एक सुखी जीवन प्रकृति से प्रेरित एवं सहजता से संचालित होता है।
   A good life is the one inspired by nature and conducted with ease.
2. व्यावहारिकता आदर्श की पुष्टि करती है।
   Pragmatism affirms the ideal.
3. मूल्यविहीन शिक्षा व्यक्ति को चतुर शैतान बनाती है।
   Education without values makes man a cleverer devil.
4. विकसित होते भारतीय समाज का द्वंद्व।
   Conflicts in developing Indian society.

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

खंड–A / SECTION –A

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. सोशल मीडिया : सामाजिक कम व्यक्तिगत ज़्यादा।

   Social media : More personal than social.

2. भारत में सामाजिक सशक्तीकरण की प्रक्रिया में आरक्षण का योगदान तथा इसके विरोधाभास।

   The role of reservation in social empowerment in India: Contribution and Contradiction.

3. भूमंडलीकरण के दौर में संरक्षणवादी नीतियाँ अल्पकालिक हितों की पूर्ति से ज़्यादा कुछ नहीं है।

   Protectionist measures in the era of globalization are nothing more than the fulfilment of short-term interests.

4. जलवायु परिवर्तन : करे कोई भरे कोई।

   Climate Change : Done by someone and paid by someone else.

सोशल मीडिया : सामाजिक कम व्यक्तिगत ज़्यादा

" जो अग्नि हमें गर्मी देती है, वही हमें जला भी सकती है। इसमें अग्नि का कोई दोष नहीं। "

— स्वामी विवेकानंद

हमारे जीवन में रोजमर्रा में हम कई बार ऐसी बाते देखते सुनते हैं जो भले ही हँसी की पात्र हो, परंतु गंभीर समस्या

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

की ओर संकेत करती हैं कुछ दिन पहले मेरे एक मित्र ने मुझे एक जोक सुनाया कि एक बच्चे ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा कि कल रात में लाइट चले जाने के कारण मैं अपने कमरे से निकलकर हॉल में गया ... वहाँ कुछ लोग बैठे थे ... बात करने पर पता लगा कि मेरे परिवार के लोग हैं ...

'बड़े अच्छे लोग हैं यार।'

यह भले ही एक जोक हो परंतु जिस गंभीर समस्या कि ओर इशारा करता है कि जिस सोशल मीडिया का लक्ष्य 'सोशल' प्लेटफॉर्म द्वारा लोगों को जोड़ना था, वह कहीं अपने लक्ष्यों के विपरीत तो नहीं जा रही है। यह यक्ष प्रश्न आज की परिस्थितियों को देखते हुए गाहे-बगाहे हमारे सामने आ खड़ा होता है।

२१वीं सदी की सबसे बड़ी

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

विशेषता के तौर पर सूचना क्रांति और उसने बाद सोशल मीडिया क्रांति को देखा गया। विश्वास यह था कि वैश्वीकरण के दौर में जब पूरा विश्व एक गाँव में बदल चुका है, तो कोई ऐसा प्लेटफॉर्म हो सभी लोगों को एक साथ उपलब्ध हो और दूरियाँ बिल्कुल समाप्त हो जाए। इसीलिए नाम दिया गया - 'सोशल मीड़िया।'

आज हमारे सामने फैसबुक, ट्वीटर, वॉट्सअप, इंस्टाग्राम जैसे अनेकानेक विकल्प उपलब्ध हैं और विश्व के अधिकांश व्यक्तियों के पहुँच इन प्लेटफॉर्मों तक भी है। परंतु फिर भी क्यों हम आज अकेलापन और एक-दूसरे से कटाव के शिकार होते जा रहे हैं। क्यों आत्महत्याएँ बढ़ रही हैं? इंसान अवसाद और तनाव की तहों में डूबा जा रहा है? प्रश्न यह भी है कि क्या इसमें सोशल मीडिया का योगदान है? और कहीं वह लक्ष्य से भटक तो नहीं गई?

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

किसी ने क्या खूब कहा है -

"फासलों में आ गई कितनी कमी,
चाँद के नज़दीक अब है आदमी।
सोचता हूँ मगर मैं देर से,
कि आदमी से दूर क्यों है आदमी॥"

भारत में आज लगभग 1 अरब उपभोक्ताओं की मोबाइल फोन तक पहुँच है और उनमें से प्रायः सभी किसी न किसी रूप में सोशल मीडिया नेटवर्क से जुड़े हैं। सोशल मीडिया से जुड़ने के कई फ़ायदे सामने आए हैं।

सोशल मीडिया अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को बुलंद करने का सर्वोपरि माध्यम रहा है। आज हर व्यक्ति अपनी आवाज़ तार्किक रूप से बुलंद करने के लिए स्वतंत्र है। अन्ना हजारे के भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन की सफलता में सोशल मीडिया का सर्वमुख योगदान था। तो 2 अरब फ़ोन में

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

'अरब स्प्रिंग' के माध्यमिक से आई क्रांति सोशल मीडिया का ही परिणाम थी जिसने जीवन में आमूलचूल परिवर्तन कर दिया था।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हम रोज समाचार पत्रों में ऐसी घटनाएँ पढ़ते है कि कोई व्यक्ति सालों से लापता था और सोशल मीड़िया पर किए गए प्रयास से बस तब पहुँचा जा सका। ऐसे न जाने कितने परिवार सोशल मीड़िया के कारण अपने बिछुड़े सदस्यों को प्राप्त कर चुके हैं जिनको खोज पाने की आस भी शायद वे छोड़ चुके थे कई पुराने मित्र जिनसे अब संपर्क नहीं था सोशल मीड़िया के कारण पुनः संपर्क में आ गए हैं और आपस में एक-दूसरे से जीवन के अनुभव साझा करते हैं।

एक और क्रांति सोशल मीड़िया ने की है वह यह कि लोगों की वैचारिक भागीदारी प्रायः हर क्षेत्र में बढ़ी है आज हर व्यक्ति विश्व के किसी भी कोने में होने वाली घटनाओं तक पहुँच रखता है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

और उन पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करता है जागरूकता का स्तर कहीं अधिक बढ़ा है। सरकारों के लिए लोगों की राय जानना आसान हुआ है और उसके अनुसार नीतियों का निर्धारण किया जा रहा है। लाभार्थियों व जरूरतमंदों तक पहुँच आसान हुई है। चुनाव प्रचार जैसे कार्यों में भी सोशल मीडिया का प्रयोग किया जा रहा है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

परंतु, यह तो सिक्के का केवल एक पहलू है। दूसरे पक्ष पर बात करने से पहले हम अपने बारे में सोचें। शायद कितनी ही बार ऐसा होता होगा कि परिवार के सभी सदस्य एक ही कमरे में एक साथ बैठे हैं परंतु पूर्ण मौन की स्थिति है क्योंकि सब अपने-अपने मोबाइल पर सोशल मीडिया पर सामाजिक संबंधों को सुदृढ़ करने में व्यस्त हैं। यह कैसी सामाजिकता है जो व्यक्ति को अपने ही परिवार से अलगाव की ओर धकेल रही है। यह समस्या आज के समय मे

Copyright – Drishti The Vision Foundation

और गहरी होकर उभरी है

हर घाय, हर छोटे-छोटे बच्चे पास भी व्यक्तिगत फोन है और हमें अपने परिवार और आस-पड़ोस की घटनाओं का भले ही ज्ञान न हो, देश-विदेश की घटनाओं की हमें हर पल की जानकारी है वस्तुतः सोशल मीडिया ने इंसान को उसके अपने समाज से काट दिया है। वही समाज जो व्यक्ति को समाजीकरण की प्रक्रिया द्वारा सशक्त और सभ्य बनाता है।

आज के समय में बढ़ती व्यक्तिवादिता में सोशल मीड़िया की पर्याप्त भूमिका है। व्यक्ति का लक्ष्य सोशल मीड़िया पर अपनी झूठी छवि निर्माण के ई-गिर्द ही सीमित है। हमारा हर कार्य लगभग या तो किसी के सोशल मीड़िया स्टेटस से प्रेरित है या स्वयं का नया स्टेटस लगाने के लिए। 'सेल्फी' का बढ़ता क्रेज इस हद तक बढ़ चुका है कि कई लोग दुर्घटनाओं के शिकार हो रहे हैं। 'लाइक्स'

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

की चाह एक अंधी भूख में बदल चुकी है समय का एक बहुत बड़ा हिस्सा सोशल मीडिया पर खर्च हो रहा है। व्यक्ति की ऊर्जा का बड़ा हिस्सा अनुत्पादक कार्यों में खर्च हो रहा है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हम एक ऐसी 'आभासी दुनिया' में जी रहे हैं जहाँ 'रातो-रात का फेम' एक बड़ी उपलब्धि माना जाने लगा है। सोशल मीडिया पर फोटो, वीडियो द्वारा दूसरों को प्रभावित करने की अंधी होड़ जारी है। व्यक्ति आजकल हर निजी क्षण को सार्वजनिक कर देने पर उतारू है। 'पब्लिसिटी स्टंट' एक नया तरीका बन चुका है चर्चा में बने रहने का।

व्यक्ति अपने को 'कूल' दिखाने के चक्कर में बुरी आदतों का शिकार हो रहा है। आजकल कई नई-नई शारीरिक व मानसिक

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

बीमारियाँ सामने आ रही हैं। बच्चों में आपराधिक प्रवृत्तियाँ बढ़ी है। अपने निहित स्वार्थों की पूर्ति के लिए कुछ लोग फेक न्यूज का प्रयोग करते है। हाल ही दिनों में मॉब लिचिंग की घटी कई घटनाएँ इसका ही दुष्परिणाम थी।

व्यक्तिगत स्वार्थों के लिए लोगों द्वारा घृणित न्यूज को बढ़ावा दिया जा रहा है। आतंकवादी व उग्रवादी संगठन इसका प्रयोग अपने विचारों के प्रसार तथा लोगों के ब्रेन वॉश के लिए कर रहे हैं। वस्तुतः सोशल मीडिया के दौर में व्यक्ति की निजता पर भी एक बड़ा खतरा पैदा हो गया है। हमारी जानकारियों का प्रयोग किसी अन्य द्वारा अपनी स्वार्थपूर्ति के लिए करना कोई बड़ी बात नहीं रह गई है। सोशल मीडिया आज व्यक्ति के जीवन के हर पक्ष को तेजी से प्रभावित कर रहा है।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इन सभी समस्याओं के होने पर भी सोशल मीडिया को उनका दोषी ठहराया जाना सर्वथा अनुचित होगा। वस्तुतः कोई भी तकनीक 'दो धारी तलवार' के रूप में होती है। वह स्वयं में न तो नैतिक है और न ही अनैतिक। यह तो मानव पर निर्भर पर है कि वह उसका प्रयोग अपने हितों की पूर्ति के लिए करता है या विध्वंस के लिए।

वस्तुतः हमें चाहिए कि सोशल मीडिया के वास्तविक महत्व को समझ कर उसका विवेकपूर्ण उपयोग सुनिश्चित करें। तभी हम उसे एक समाज-हितैषी उपकरण के रूप में प्रयोग कर पाएंगे। सोशल मीडिया अपने आप में साधन है, साध्य नहीं।

"लीक पर वे चलें जो कमजोर और हारे हैं।
हमें तो अपने यात्राओं से बनें, ऐसे अनिर्मित पथ प्यारे हैं"

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

खंड–B / SECTION –B

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

1. एक सुखी जीवन प्रकृति से प्रेरित एवं सहजता से संचालित होता है।

   A good life is the one inspired by nature and conducted with ease.

2. व्यावहारिकता आदर्श की पुष्टि करती है।

   Pragmatism affirms the ideal.

3. मूल्यविहीन शिक्षा व्यक्ति को चतुर शैतान बनाती है।

   Education without values makes man a cleverer devil.

4. विकसित होते भारतीय समाज का द्वंद्व।

   Conflicts in developing Indian society.

"मूल्यविहीन शिक्षा व्यक्ति को चतुर शैतान बनाती है"

"मैं सीखना चाहता था इसलिए स्कूल नहीं गया।"
जॉर्ज बर्नार्ड शॉ

"शिक्षा वह सर्वश्रेष्ठ हथियार है, जिससे किसी व्यक्ति का पूरा जीवन बदला जा सकता है"

शिक्षा के संबंध में उपरोक्त कथन हाल ही के दिनों की कई घटनाओं के कारण मेरे मन में कई सवालों को छोड़ गया ... हम सबने हाल ही के कुछ वर्षों में देश के कई विद्यालयों से ऐसी घटनाओं

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

के बारे में पढ़ा - सुना, जो शिक्षा के मूल उद्देश्य पर ही प्रश्नचिन्ह लगा देती है।

दिल्ली के एक नामी स्कूल के 10 वीं कक्षा के एक छात्र ने एक 5 वीं कक्षा के बच्चे की स्कूल परिसर के शौचालय में किसी हथियार से हत्या कर दी ... और इसके पीछे का उद्देश्य और भयावह था — परीक्षा को स्थगित करवाना।

ऐसी घटनाएं गाहे - बगाहे हमारी अन्तः चेतना को झकझोर देती हैं ... कि हम किस शिक्षा के पीछे भाग रहे हैं ... शायद जो अपने मूल धर्म से ही विपथित हो चुकी है। ऐसे उदाहरण कहीं न कहीं सोचने पर विवश करते हैं कि जिस भारत देश को हम महाशक्ति बनाने के लिए अग्रसर हैं वह कहीं अपनी मूल विशेषताओं से ही वंचित न हो जाए।

यहाँ कई प्रश्न हमारे सामने हैं जैसे - शिक्षा का मूल उद्देश्य क्या है?

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

वह नैतिक मूल्यों से कैसे संबंधित है ? क्या कारण है कि आज हमें ऐसे प्रसंगों पर चिंता करनी पड़ रही है ? इसके प्रभाव क्या होंगे ? और शिक्षा को मूल्यों से जोड़ने के लिए कौन से प्रयासों की आवश्यकता है ?

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

शिक्षा का मूल उद्देश्य है - मनुष्य के व्यक्तित्व का निर्माण। समाजीकरण की प्रक्रिया में व्यक्ति जिस ज्ञान और मूल्यों से वंचित रह जाता है शिक्षा हमें उनसे साक्षात्कार करवाती है और मनुष्य के मानवता के मूल्यों से युक्त होने की प्रक्रिया में अहम् योगदान देती है।

आइए, कुछ उदाहरणों से इस संदर्भ को समझने का प्रयास करें। शिक्षा के नैतिक मूल्यों से वंचित हो जाने का एक सबसे बड़े उदाहरण के रूप में हमारे सामने ओसामा बिन लादेन, अफजल गुरु, मसूद अजहर जैसे आतंकवादी सरगना हैं। यह तो हम सब जानते हैं कि इनके कृत्यों से आज

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

पूरी मानवता के लिए खतरा उत्पन्न हो चुका है। परन्तु, शायद कुछ लोग इस बात से परिचित न हों कि ओसाम बिन लादेन एक इंजीनियर था और उच्च बुद्धिलब्धि (IQ) वाला व्यक्ति था। प्रश्न यह है कि यदि वह इंजीनियर न होता तो भी क्या वह उसी स्तर पर भय व आतंक पैदा करने में सक्षम होता?

संभवतः हम सभी का उत्तर होगा 'कभी नहीं'। यह इस बात को सिद्ध करता है कि शिक्षा की प्राप्ति उसके लिए शैतान बनने की प्रक्रिया में सहायक की भूमिका में रही। आज न जाने कितने छोटे-छोटे अपराधी हर क्षेत्र में हैं, परंतु शायद वे अपने नकारात्मक कार्यों को कभी इतना घातक न बना पाएं जैसा लादेन ने किया। यह सब शिक्षा के मूल्य से वंचित हो जाने का परिणाम है।

केवल वर्तमान समय में नहीं, मिथकों में भी यह प्रसंग दिखाई देते हैं। रावण एक महाज्ञानी पुरुष था, परंतु उसके पास एक

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

ही वस्तु की कमी थी – नैतिकता की समझ। जिसके बिना ज्ञान का शायद कोई महत्व नहीं है क्योंकि जब तक ज्ञान का प्रयोग कैसे, कब और कहाँ करना उचित है, यह विवेक न हो तो ज्ञान के घातक हो जाने की संभावनाएँ अधिक हैं। दुर्योधन जैसे उदाहरण भी इसी बात को प्रमाणित करते हैं।

दूसरी ओर, हमारे सामने ऐसे व्यक्तियों के उदाहरण भी हैं जो शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों में भी प्रौढ़ता के स्तर पर थे और इसी कारण आज भी हमारे लिए आदर्श और प्रेरणा का स्रोत हैं। गाँधी इसके लिए सर्वोत्कृष्ट उदाहरण हैं। उच्च शिक्षा के साथ दया, त्याग, प्रेम, सेवा, अहिंसा की प्रतिमूर्ति गाँधी अपने नैतिक आदर्शों के बल पर ही देश की आजादी को एक नई दिशा दे सके। नेल्सन मंडेला, मार्टिन लूथर किंग, विवेकानंद, लाल बहादुर शास्त्री जी जैसे उदाहरण आज भी प्रेरणास्रोत हैं।

थोड़ी गंभीर दृष्टि डालें तो हमें ऐसे

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उदाहरण भी दिखाई देंगे जो संभवत: औपचारिक शिक्षा से वंचित थे। फिर भी उनके नैतिक आदर्शों के बल पर ही वे इतिहास में अमर हो गए। कबीरदास जी इस दृष्टि से अतुलनीय हैं। वे कहते हैं—

"पोथी पढ़ि-पढ़ि जग मुआ पंडित भया न कोय।
ढ़ाई आखर प्रेम के, पढ़ै सो पंडित होय॥"

अपनी शिक्षा के संदर्भ में वे कहते हैं-

"मसि कागद छवौ नहीं, कलम गहि नहीं हाथ॥"

यह उदाहरण स्पष्टत: संकेत करते हैं कि बिना शिक्षा के केवल अनुभव और मूल्ययुक्त होना, उस शिक्षा से कहीं अधिक श्रेष्ठ है जो मनुष्य को अनैतिक कार्य करने में सहायक के रूप में कार्य करती है। बिना इंजीनियरिंग के संभवत: ओसामा के लिए 'लादेन' बन पाना लगभग असंभव होता। ऐसी स्थिति में शिक्षा मनुष्य के शैतान बनने की प्रक्रिया को और तीव्र एवं भयावह बना देती है

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

A3

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारतीय परंपरा में विद्या को सदैव नैतिकता से जोड़ा गया –

"विद्या ददाति विनयम्।"

परंतु, औपनिवेशिक काल में अंग्रेजों द्वारा अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए शिक्षा व्यवस्था के स्वरूप को बदलते हुए ऐसे शिक्षा पर बल दिया जिससे उनके लिए सस्ते क्लर्क तैयार हो सकें। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भी हमारी शिक्षा व्यवस्था में परिवर्तन के गैर प्रयास नहीं किए गए।

आज के समय में शिक्षा के मूल्यों से वंचित हो जाने के और भी कई कारण खोजे जा सकते हैं। बढ़ती व्यक्तिवादिता इसमें से एक बड़ा कारण है। अतिव्यक्तिवादिता के कारण आज मानव अपने साथियों और प्रकृति से दूरी तरह कर चुका है। सामाजिक मूल्यों व संबंधों में आई गिरावट का भी गंभीर प्रभाव शिक्षा पर पड़ा है क्योंकि कहीं न कहीं परिवार व्यक्ति की प्रथम पाठशाला के रूप में देखा

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

जाता है आज हमारे लिए सफलता सर्वोपरि साध्य बन चुकी है अंधाधुंध सफलता की यह दौड़ हमें रुककर सोचने का समय भी नहीं देती कि हम जो कर रहे हैं वह नैतिक है या अनैतिक।

सफलता से भी अधिक महत्वपूर्ण है कि आज आर्थिक पहचान सर्वोपरि हो चुकी है। व्यक्ति का चरित्र और नैतिक आदर्श आज के समय में उपहास का पात्र बनकर रह गए हैं। बढ़ता भौतिकवाद इसे और प्रेरित कर रहा है। शिक्षा के स्तर पर व्यावहारिकता का महत्व कम और केवल रोजगार प्राप्ति या अच्छे अंकों की प्राप्ति मूल लक्ष्य रह गया है।

शिक्षा का यह गिरता स्तर देश में कई प्रकार की समस्याओं को जन्म देता है - जैसे - समाज में शोषण, भ्रष्टाचार, अपराधों का संगठित होना, राजनीति का दूषित होना, समावेशी विकास में बाधा। आज हम मूल्यों से इतने वंचित हो चुके हैं कि जो संस्कृति कभी प्रकृति-प्रेम

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

के लिए जानी जाती थी, वहाँ आज पश्चिम से लिए गए सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए गंभीर कदम उठाने की आवश्यकता है। महिलाओं, अल्पसंख्यकों के साथ बढ़ते अत्याचार भी इसके सूचक हैं। शिक्षा के नैतिकता से वंचित होने का एक और प्रमाण है — फैक न्यूज के आधार पर मॉब लिंचिंग।

प्रश्न यह है कि शिक्षा को नैतिक मूल्यों से कैसे जोड़ा जाए? आज के पढ़े लिखे युवा देश को बोझ समझकर विदेशों में जाने के लिए लालायित हैं। समाज में अपराधियों को सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। इसके लिए प्रयास शिक्षा नीति के स्तर पर भी आवश्यक हैं, तो समाज के स्तर पर भी। सर्वप्रथम परिवार में माता-पिता की जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाए कि वे बच्चों को नैतिक मूल्य सीखाने का कष्ट करें। प्रेम, त्याग, मिल बाँटकर कार्य करना (sharing), दूसरों का ध्यान रखना, दूसरों की मदद करना, दया,

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

लगाव, सम्मान करना जैसे मूल्य परिवार के स्तर ही सिखाए जा सकते हैं।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

शिक्षा के स्तर पर शिक्षा व्यवस्था में बदलाव कर बच्चों को भावनात्मक बुद्धिमत्ता से जोड़ा जाए। नई शिक्षा नीति में इस संदर्भ में संकेत किए गए हैं। सत्यनिष्ठा, प्रतिबद्धता, समानुभूति, संवेदनशीलता, निष्पक्षता, राष्ट्रप्रेम, करुणा, अनुशासन, समयबद्धता जैसे मूल्यों का विकास शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर किया जाना चाहिए। इसके लिए शिक्षण संस्थानों में बच्चों के स्तर पर विविधता (धर्म, जाति, वर्ग) को प्रोत्साहित किया जाए तथा शिक्षा के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों से जोड़ा जाए।

वस्तुतः शिक्षा व्यक्तित्व निर्माण के अपने मूल उद्देश्य में तभी सफल होगी जब वह नैतिक मूल्यों से युक्त होगी। इसके लिए शिक्षकों को उचित प्रशिक्षण उपलब्ध करवाया जाए। पाठ्यपुस्तकों के स्तर पर उचित बदलाव सुनिश्चित हो। सरकार द्वारा शिक्षा के संदर्भ

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

में चलाए जा रहे सर्व शिक्षा अभियान जैसे कार्यक्रमों में इस बात को सुनिश्चित किया जाए। तभी हम अपने जनांकिकीय लाभांश का पूर्ण लाभ प्राप्त करने की स्थिति में आ सकेंगे—

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

"मीलों हम आ गए हैं, मीलों हमें जाना है"

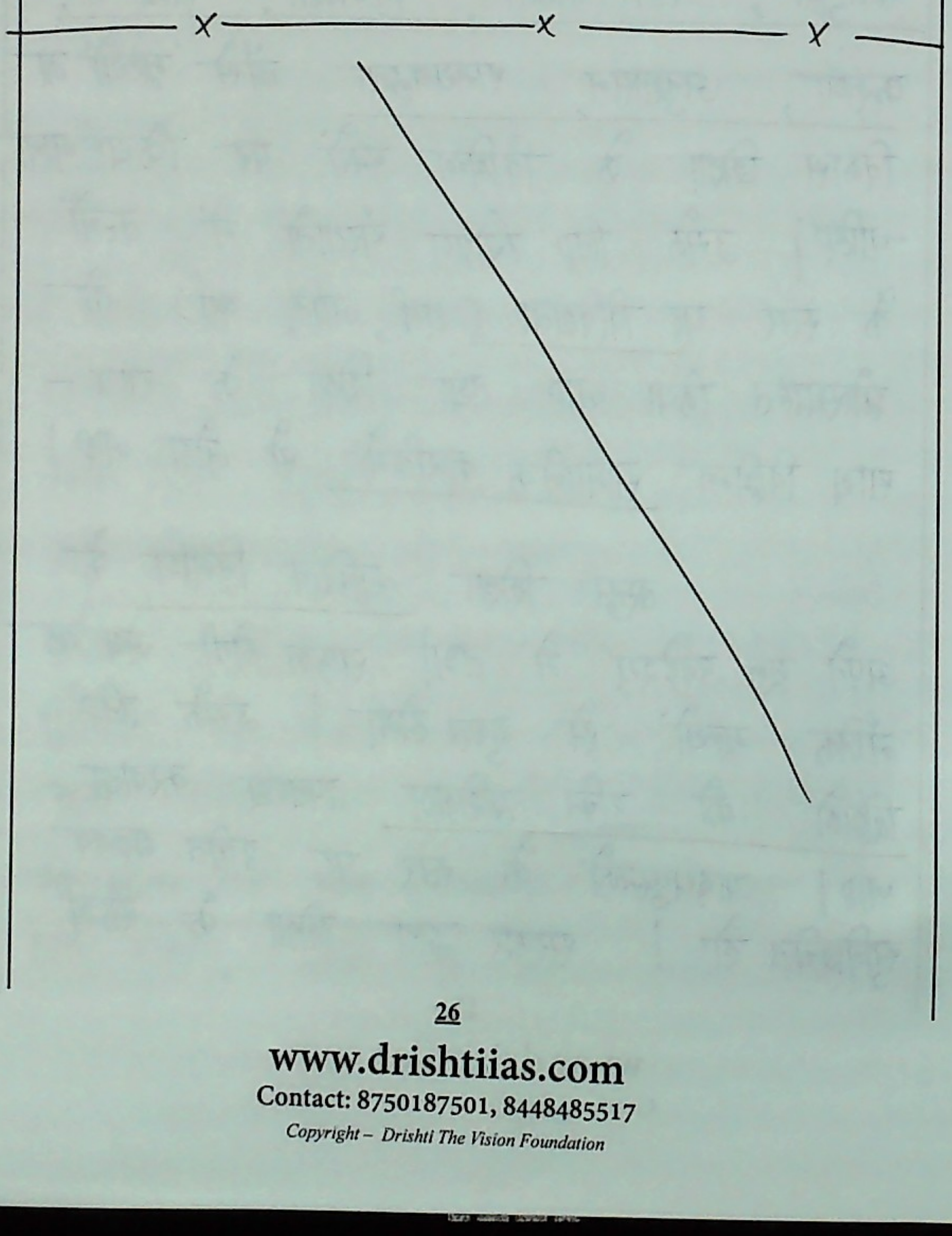

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation